सही बातें
महत्त्व

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक
समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
महत्त्व

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण :

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
महत्त्व

अगर आपको
मानव जीवन में
नये-नये आनंद की चाह हो
तो अपनी क्षमता,
अपनी उपलब्धियों
और
अपनी खूबियों को
हर दिन बढ़ाते जाइये ;
गुणों के बढ़ाते जाइये
गुणों के बढ़ने पर ही
नयेपन का आनंद आता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कई बार कई लोग
अपने नकारात्मक विचारों के कारण
स्वयं ही
स्वयं के दुश्मन बन जाते हैं,
अगर आप
स्वयं अपने दुश्मन
नहीं बनना चाहते हैं,
तो अपने विचारों को
स्वच्छ रखें
एवं नकारात्मकता से कोसों दूर रहें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

महत्त्व

अपने से जुड़ी
किसी भी चीज़ को
या
किसी भी घटना को
गैर-मामूली मत मानिये,
क्योंकि
वह चीज़ या घटना
आपके साथ-साथ
दूसरों के जीवन में भी
परिवर्तन ला सकती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

किसी भी चीज़ को पाने के लिये
आकांक्षा
और
निरंतर प्रयास जरूरी है,
मगर
नीम के पेड़ के नीचे खड़े होकर
आम की आकांक्षा करना
व्यर्थ है;
इसलिये
प्रयास तो करें
मगर उसी का
जो मुमकिन हो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
छोटी–छोटी बातों के कारण
अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं,
उन लोगों को
उन बातों की
उपेक्षा कर देना चाहिये;
छोटी–छोटी बातों की
उपेक्षा के बिना
आप बड़े–बड़े लक्ष्यों को
नहीं पा सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अगर
लाखों प्रयासों के बावजूद भी
आप किसी को नहीं बदल पायें,
तो आपके पास
दो ही रास्ते हैं;
या तो
खुशी-खुशी उसे स्वीकार लें
अथवा
खुशी-खुशी उसे भूल जायें,
शांति इसी में है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जिस जेब को भरने के लिये
आप पूरी ज़िंदगी दौड़ते हैं,
मरने के बाद
कफन के लिये
उस जेब के
पैसे तक काम नहीं आते हैं,
यह बात
जानता तो हर कोई है,
पर मानते वो ही हैं
जो साधु बन जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अगर आपको
बड़ा इंसान बनना है
तो सबसे पहले
अपनी पसंद
और
नापसंद को भूल जाइये,
अपनी पसंद
और
नापसंद को भूलते ही
एक दिन दुनिया आपको
पसंद करने लगेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

किसी भी जंग को
एकता से जीता जाता है
अकेले नहीं,
फिर चाहे वह जंग
बाहिरी हो या अतरंग की,
बाहिरी जंग जीतने के लिये
लोगों को इकट्ठा करना पड़ता है
और
अंदर की जंग जीतने के लिये
गुणों को...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

आपको
जितने ऊँचे सुखों की आकांक्षा है
उतना ऊँचा समर्पण
और
प्रयास भी करना पड़ेगा,
प्रयास और समर्पण
वे सीढ़ियाँ हैं
जो सीधे
ऊँचाइयों के
दरवाजों तक पहुँचाती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

आप जीवन से
बहुत इच्छायें रखते हैं,
परन्तु बदले में
इस जीवन के लिये
कुछ नहीं देते हैं,
शायद आपकी असफलता का
यही कारण है,
अगर आप जीवन को
मौज-मस्ती या दावतें न देकर
गंभीरता, पुरुषार्थ और समर्पण देते हैं;
तो जीवन भी आपको
एक दिन सफलता का लड्डू
जरूर देगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

महत्त्व

आपकी तरक्की की
सबसे बड़ी रुकावट
आपके अंदर उत्पन्न हुई
विषयों की इच्छा है
अगर आप
इच्छाओं को दबा देते हैं
तो तरक्की
शीघ्र ही आपके सामने
उछल कर आयेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
बड़े-बड़े सपने देखते हैं
और उन्हें
साकार भी करना चाहते हैं,
उन लोगों को
कठिन रास्तों पर चलने की
आदत डाल लेना चाहिये,
क्योंकि
बहुत कठिन रास्तों से गुजरकर ही
बड़े सपनों को
साकार किया जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

समझदार लोग
जीवन के उत्थान के लिये
अपनी पसंद और नापसंद को
गौण कर देते हैं
और
नासमझ लोग
पसंद और नापसंद के लिये
जीवन के उत्थान को
गौण कर देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
मात्र बाहर की सुंदरता को देखकर
संबंध बनाते हैं,
उनके संबंध
चंद दिन ही चल पाते हैं ,
मगर जो लोग
आंतरिक खूबसूरती को देखकर
संबंध बनाते हैं;
उनके संबंध
कभी टूट नहीं पाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

ज़्यादातर लोगों को
यही लगता है कि वे असुंदर हैं
और इसी कारण
वे लोग उदास
या अप्रसन्न भी रहते हैं,
उनसे मेरा कहना है
सुंदर वो ही है
जो सुंदर दिल
और
सुंदर विचारों वाला है,
बाहरी सुंदरता तो
कुछ समय में
हर किसी की फीकी पड़ जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अपनी बदलती ज़िंदगी में
नये-नये रिश्तों को
बनाये रखने का
सबसे सुंदर तरीका है ''माफी'',
रिश्तों को
बचाये रखने के लिये
रिश्तों में
मिठास बनाये रखने के लिये
माफी माँगना
और
माफ करना
कभी न भूलें,
गलती किसी की भी हो
पर रिश्ते आपके हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अगर आपके रिश्ते बनते हैं
पर
टूट जाते हैं
तो समझ लीजिये,
आपका दिल तो अच्छा है
पर स्वभाव अच्छा नहीं है,
क्योंकि रिश्ते
अच्छे दिल से बनते हैं
और
अच्छे स्वभाव से
जीवन भर बने रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

इस कलियुग में लोग
स्वयं बुराइयों के पास
जाना पसंद करते हैं,
पर अच्छाइयाँ
लोगों के पीछे-पीछे घूमती हैं,
सच है -
शराब घर-घर जाकर
नहीं बेचना पड़ती,
पर
दूध घर-घर बेचने
जाना पड़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जलते हुये दीप को देखकर
मुझे सिर्फ
यही बात समझ में आई,
साधु का जीवन
दीपक की तरह जानो,
चाहे गरीब के घर में जले
या
किसी सेठ के महल में
वह बिना भेदभाव के
दोनों को ही रोशन करता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

शरीर की कीमत
तभी तक है
जब तक उसमें आत्मा है
और
इंसान की कीमत
तभी तक है
जब तक उसमें इंसानियत है,
इंसानियत निकल गई
तो समझ लेना
आप ज़िंदा होकर भी
मुर्दे के तुल्य हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अपने जीवन में
सबसे ज़्यादा महत्त्व
समय को देना चाहिये,
क्योंकि
मेहनत भी तभी सफल होती है
जब समय पर की जाती है
और
ज़िंदगी भी तभी निखरती है
जब समय से बाँधी जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

लोग कहते हैं
जिसके कर्म अच्छे होते हैं
उसके जीवन में
कभी अंधेरा नहीं होता,
मगर
अच्छे कर्म करके भी
जिसके जीवन में अंधेरा है
वे घबरायें नहीं
न ही किसी को दोष दें,
समझ लें
पूर्व के कर्मों का फल
अभी उदय में चल रहा है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

क्रोध
किसी आँधी से कम नहीं है,
जैसे आँधी
सब तहस-नहस कर देती है
वैसे ही
क्रोध भी सब रिश्तों को
तहस-नहस कर देता है;
खास बात यह है कि-
शान्ति होने पर ही
आप नुकसान का
अंदाज़ा लगा पाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

महँगी घड़ी
आपको समय दिखाती है,
पर
वह कभी दुःख नहीं देती,
लेकिन मुश्किल घड़ी
आपको सब कुछ दिखाती है
और
दुःख भी देती है;
महँगी घड़ी
आये न आये
पर
मुश्किल घड़ी कभी न आये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दोस्ती बनाये रखने के लिये
दोस्तों के बीच
मेरा की जगह
हमारा शब्द का प्रयोग करें,
हमारा शब्द
दोस्तों को बढ़ाता है
और
दोस्ती को गहरा करता है,
पर
मेरा शब्द
आपको सबसे हटाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

हर एक इंसान में
दो इंसान बसते हैं,
एक वो जो उसे
झूठ बोलने से रोकता है
और
दूसरा वो जो उसे
सच बोलने से रोकता है;
अगर आपने
सच न बोलने वाले पर विजय पा ली
तो समझ लेना
इंसान के रूप में
आप ही भगवान हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

बहुत से लोग
1 साल में
50 मित्र बनाते हैं,
पर
कुछ विरले ही होते हैं
जो 1 मित्र को
50 साल तक निभाते हैं;
मित्र बनाना बड़ी बात नहीं है
मित्रता निभाना बड़ी बात है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कुछ लोग
दूसरों को धोखा देकर
खुद को कामयाब
और
दूसरों को बेवकूफ समझते हैं,
मगर
गौर से सोचिये –
कामयाब होने पर
बेवकूफ भी वे ही लोग हैं,
क्योंकि
वे धोखेबाज़ हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अगर आप
अपने काम को
बहुत भड़भड़ी में करते हैं,
तो आपके लिये
सिर्फ यही नसीयत है–
अपने काम को इतमिनान से करें ;
क्योंकि
मूसलाधार बारिश में
फूल नहीं खिलते,
फूल तो
रिमझिम बारिश में ही खिलते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कुछ लोग
अपनी बात मनवाने के लिये
अपनी आवाज़ में
ताकत डालते हैं,
मगर
मेरा मानना है –
आवाज़ की जगह
शब्दों में ताकत डालिये;
क्योंकि
शब्दों की ताकत
आवाज़ की ताकत से
कई गुनी होती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
ज़्यादातर खुश रहते हैं
उनके पास बहुत कम लोग ही
दुःखी रह पाते हैं,
कोई पूछे
ऐसा क्यों होता है ?
तो कह देना
ये तो प्राकृतिक है,
आम के वृक्ष का सहवास
मधुर फल देता है
और
बबूल के वृक्ष का सहवास
काँटे देता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

आप अपने हौसलों को
और
अपने फैसलों को बुलंद रखेंगे
तो दुनिया बदलेगी,
अगर
बुलंद नहीं रखेंगे
तो दुनिया आपको बदल देगी,
इसलिये
हर स्थिति में
अपने हौसलों को
अपने फैसलों को
बुलंद रखें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

भोजन उतना ही करें
जिसे आप पचा सकें,
बात उतनी ही करें
जिसे आप निभा सकें,
ये दो काम
आप न कर सकें;
तो फिर
भोजन और बात कम करें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

महत्त्व

किसी ने पूछा –
पेड़ हमें क्या शिक्षा देता है ?
मैंने कहा –
वैसे तो
कई प्रकार की शिक्षा देता है,
पर खास रूप से
वह यही शिक्षा देता है –
नहीं झुकोगे तो टूट जाओगे
इसलिये
टूटने से पहले झुक जाओ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

किसी भी परिस्थिति में
और
किसी भी परिवर्तन से डरना
ठीक नहीं है,
क्योंकि परिवर्तन
ज़िंदगी का एक अंग है,
अगर आप
परिवर्तन से डरते हैं;
तो समझ लेना
आप जीवन से भी डरते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जब-जब
आप कामयाब होंगे
तब-तब
आपको मालूम पड़ेगा,
दुश्मन कैसे बनते हैं ?
और
कैसे बढ़ते हैं ?
जैसे-जैसे
आप कामयाब होते जायेंगे,
दुश्मन अपने आप
बनते और बढ़ते जायेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

शब्दों की
कोई कीमत नहीं होती,
पर
शब्द आपकी कीमत
बढ़ा भी सकते हैं
और
गिरा भी सकते हैं,
जैसा आप
शब्दों का प्रयोग करेंगे,
आपको उनकी कीमत भी
वैसी ही अदा करनी पड़ेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दुनिया में
उसी चीज़ की कीमत होती है
जो ज़्यादा नहीं होती
और
जो चीज़ ज्यादा होती है
उसकी कीमत कम होती है,
सोना कम है
इसीलिये
लोग उसे पहनते हैं
और
पत्थर ज़्यादा हैं
इसीलिये
उसे फेंकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अपने जीवन में
समय-समय पर
नयी-नयी योजनायें
जरूर बनाते रहें,
नयी-नयी योजनाओं से
आप नयेपन का अनुभव करेंगे
और
आपको आनंद भी आयेगा;
क्योंकि
आनंद नयेपन में ही होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कुछ नया करने का
कुछ हटके करने का प्रयास
वे ही लोग करते हैं,
जिन्हें कुछ
नया पाने की चाह होती है,
अगर आप वही करेंगे
जो करते आ रहे हैं
तो आपको वही मिलेगा
जो आजतक मिलता आ रहा है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अपनी गलतियों का एहसास
आपको तब तक नहीं होता
जब तक आप
हार की कगार पर
नहीं पहुँच जाते,
इसलिये
प्रारम्भ में ही
अपनी गलतियाँ देखना
प्रारंभ करें,
वरना हार निश्चित है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

मरने पर सहारा देने वाले
इस दुनिया में मिल जाते हैं,
पर
जीते जी सहारा देनेवाला
एक भी नहीं मिलता,
अगर–आप
मुर्दे को सहारा देते हैं
तो अच्छी बात है;
अगर
ज़िंदा को देते हैं
तो और अच्छी बात है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जिसे बेईमानी का
मौका नहीं मिला हो
वह ईमानदार नहीं है,
मगर
जिसे बेईमानी का
मौका मिला हो
फिर भी उसने
ईमानदारी बर्ती हो
वही ईमानदार है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

आप ईमानदार हैं
तो भय का भूत
कभी भी आपको सता नहीं सकता,
इसलिये
जिन्हें भी अपने जीवन से
भय का भूत भगाना हो
उन्हें ईमानदारी का मंत्रा
सीख लेना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग आधूनिक हैं
उनमें अध्यात्म नहीं मिलेगा
और
जो लोग आध्यात्मिक हैं
उनमें आधूनिकता नहीं मिलेगी,
इसलिये
जिन्हें भी
आध्यात्मिक बनने की चाह हो
उन्हें आधूनिकता का
त्याग कर देना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

रोटी खाने के साथ-साथ
रोटी कमाना भी सीखें,
अगर आप खाना जानते हैं,
पर
कमाना नहीं जानते हैं ;
तो कुछ दिन बाद
आपके पास खाने के लिये
कुछ भी नहीं मिलेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

ऐसे काम
आप बहुत करते हैं
जिनके लिये
लोग आपको धन्यवाद देते हैं,
मगर
ऐसे काम
आप एक-दो ही करते हें
जिसके लिये
आप खुद को धन्यवाद देते हैं,
लेकिन
कीमत उन्हीं कामों की ज़्यादा है
जिनके लिये
आप खुद को धन्यवाद देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दिल से बोले गये
शब्दों का अर्थ
दिमाग से नहीं निकालना चाहिये
दिमाग से बोले गये
शब्दों का अर्थ
दिल से नहीं निकालना चाहिये;
वरना
अर्थ का अनर्थ होते
देर नहीं लगती...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

किसी भी काम को
जल्दी करने की अपेक्षा
अच्छे से करना श्रेष्ठ है,
क्योंकि
वही काम याद रखे जाते हैं
जो अच्छे होते हैं
जल्दी का क्या
वो तो शैतान का काम है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
तारीफ होने पर पिघल जाते हैं
और
निंदा होने पर उबल जाते हैं,
ऐसे लोगों के लिये
मेरी सिर्फ यही नसीहत है कि
निंदा और प्रशंसा को सहना सीखें
वरना
आप कभी
प्रशंसनीय नहीं बन पायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

इस दुनिया में
ज़्यादातर लोगों को
अपने काम की
कोई चिंता नहीं रहती,
उन्हें तो सिर्फ
यही चिंता रहती है कि
दूसरों का काम
कहीं सही न हो जाये;
इसी कारण से
दूसरों का काम
बिगड़े-न-बिगड़े
पर उनका काम
जरूर बिगड़ जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

पानी
न तो रास्ता ढूँढ़ता है
न ही मंज़िल,
वह तो सिर्फ बहता है,
ऐसे ही आप भी
सिर्फ अपना काम कीजिये
रास्ते अपने आप
बनते चले जायेंगे
और
मंज़िल भी
नज़दीक आ जायेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जिन्हें भी
पैसे कमाने का शौक हो
उन्हें
पैसे कमाने से पहले
ईमानदारी सीखना चाहिये,
अगर ईमानदारी है
तो विश्वास मानिये
थोड़ी सी मेहनत से ही
पैसा आ जायेगा
और
बेईमानी है
तो आया हुआ पैसा भी चला जायेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कुछ लोग
सहानुभूति पाने के लिये
अपना दुःख दूसरों से कहते हैं,
मगर
मेरी समझ से
वे गलत करते हैं,
सहानुभूति का तो पता नहीं
पर वे लोग
दूसरों की नज़र में
हीन जरूर बनते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

गलतियाँ होने पर
उदास नहीं होना चाहिये
बल्कि
खुश होकर
गलतियाँ सुधारने का
प्रयास करना चाहिये,
और एक बात
अपने दिमाग में बसा लेना चाहिये
गिरते वे ही हैं, जो चलते हैं
जो चला नहीं, वो गिरेगा क्या...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कुछ लोग क्रोध करके
दूसरों की गलतियाँ
सुधारने का प्रयास करते हैं,
मगर
मेरा सोच है
क्रोध से
दूसरों की गलतियाँ तो सुधर जायेंगी,
मगर
आपकी भाषा, भाव,
छवि और व्यक्तित्व
जरूर बिगड़ जायेगा
और
दूसरों के सुधार में
खुद का बिगाड़ करना
कहाँ की समझदारी है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जब भी आप
किसी से दोस्ती तोड़ते हैं,
तो जितना दुःख
आपके दोस्त को होगा
उतना ही दुःख
आपको भी होगा,
तो क्यों न
तोड़ने की जगह
दोस्ती बनाकर रखी जाये;
सच है –
जिस काम से दुःख होता है
ऐसे काम
समझदार लोग नहीं करते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कुछ लोग भगवान को
मंदिर में ढूँढ़ते हैं
और
कुछ लोग घर में,
पहले मैं भी
ऐसा ही करता था,
लेकिन
बहुत ढूँढ़ने के बाद
मुझे भगवान तो मिले
पर
मंदिर या घर के अंदर नहीं
खुद के ही अंदर मिले...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग अपने बच्चों को
समय की जगह पैसे देते हैं,
भविष्य में उनके बच्चे
उनको न तो पैसे देते हैं
न ही समय,
अगर
संस्कार देने के लिये
आपके पास समय नहीं
तो आपके लिये
बच्चों के पास कुछ भी नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अगर आप
इसी आस में खड़े रहते हैं कि-
लक्ष्य चलकर
आपके पास आयेगा
तो आप कभी
लक्ष्य नहीं पा सकते हैं,
लक्ष्य पाने के लिये
तब तक चलिये
जब तक आप
लक्ष्य हासिल न कर लें,
क्योंकि
लक्ष्य कभी नहीं चलता
हमें ही लक्ष्य तक चलना पड़ता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

महत्त्व

जो दुःख दे
उसके बारे में सोचना व्यर्थ है,
सोचो उसके बारे में
जो खुशी दे,
दुःख देनेवाले के बारे में सोचने से
आपके अंदर नफरत बढ़ती है
और
खुशी देनेवाले के बारे में सोचने से
आपके अंदर प्यार बढ़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

वर्तमान में लोगों का स्तर
कितना गिरता जा रहा है,
पहले लोग घरों के बाहर
'शुभ-लाभ'
'आपका स्वागत है',
ऐसा कुछ लिखते थे
और अब लिखते हैं
'यहाँ पर कुत्ते रहते हैं'
'सावधान'...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

हार के डर से पीछे हटना
कायरता है
और
हारने पर भी पीछे न हटना
वीरता है,
आप क्या करते हैं
यह मुझे नहीं पता ;
पर
मैं कभी पीछे नहीं हटता हूँ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

ऊँचाइयाँ तभी मिलेंगी
जब आप
असंभव को संभव करने का
प्रयास छोड़कर
संभव को करने का
प्रयास करेंगे,
असंभव को
संभव करने की ताकत
भगवान में है
और
आप भगवान नहीं
इंसान हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दूसरों के लिये
मोम की तरह कोमल रहना
और
खुद के लिये
चट्टान की तरह सख्त रहना
यही साधुता है ;
जब भी करुणा आये
तो पिघल जाना
और
जब भी कष्ट आये
तो अडिग रह जाना ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
सारे काम
बैठे-बैठे ही करना चाहते हैं,
उनका सफल होना
नामुमकिन है,
क्योंकि
दौड़कर ही जीता जाता है
बैठकर तो सिर्फ
जीतने-हारने वालों को
देखा जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जो लोग
दूसरों की ज़िंदगी में
दखल देते रहते हैं,
वो लोग
दिन–प्रतिदिन
पिछड़ते रहते हैं,
ऐसे लोग
दूसरों को गिराने में
इतने व्यस्त रहते हैं;
उन्हें स्वयं की तरक्की का
भान ही नहीं रहता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दूसरों के कामों में
गलतियाँ ढूँढ़ने की अपेक्षा,
आप उसी काम को
बिना गलती के करके दिखाइये
तब तो कुछ बात है,
सच है –
गलतियाँ ढूँढ़ना
बहुत सरल है,
मगर
बिना गलतियों के काम कर दिखाना
बहुत कठिन है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

इस ज़िंदगी में
हम बहुत संबंध बनाते हैं
पर
सबसे अच्छा संबंध
भक्त और भगवान का होता है,
इस संबंध की
खास बात यह है कि
भक्त भगवान बनना चाहते हैं
और
भगवान भी भक्तों को
भगवान बनाना चाहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

फैसले
भावुकता की जगह
गंभीरता से लेना चाहिये,
क्योंकि
भावुकता में
लिये गये फैसले
दुःख ही देते हैं;
मगर
गंभीरता से लिये गये फैसले
सिर्फ सुख ही देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जितना भाग्य में है
उतना ही आपको मिलेगा,
इसलिये
जो भी आपको मिले
उसी में खुश रहें,
अगर
आपके हाथ में घड़ी नहीं है
तो दुःखी मत होना
बहुत से लोगों के पास तो
हाथ भी नहीं है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दुर्जन लोग रास्ते में पड़े
मल के समान होते हैं ,
अगर
पास में जायेंगे
तो बदबू आयेगी
और
हाथ लगायेंगे
तो गंदे हो जायेंगे ;
इसलिये
जैसे मल से दूर रहते हैं
वैसे ही दुर्जनों से भी दूरी रखें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अपनों की यादें
और
अपनों के साथ बिताया गया वक्त
बुरा नहीं होता,
क्योंकि
जब आप अकेले होते हैं
तब सिर्फ
वो वक्त और वो यादें ही
आपके पास रहती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

पैसों और परिवार से ज़्यादा
धर्म को महत्त्व दें,
क्योंकि
परिवार और पैसा
ज़िंदा रहने तक साथ देगा;
पर धर्म ज़िंदा रहने पर भी साथ देगा
और
मरने पर भी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जैसे
पतंग उड़ाना आसान है
पर
उसे उड़ाये रखना कठिन है,
ठीक वैसे ही
बुलंदियाँ पाना भी आसान है
पर
उसे बनाये रखना कठिन है;
बुलंदियाँ
वो ही बनाये रख पाते हैं
जो मेहनत की डोर पकड़े रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अच्छे लोग
स्वयं कितने ही दुःखी क्यों न हो,
पर
दूसरों का दुःख
अवश्य दूर करते हैं,
क्योंकि
अच्छा डॉक्टर
भले ही स्वयं बीमार क्यों न हो
पर
वह इलाज़ जरूर करता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

आप किसी की परेशानी
दूर कर पायें
या न कर पायें,
पर
उसकी परेशानी अवश्य सुनें
और
सुनकर उससे अवश्य कहें –
चिंता मत करो
ये दिन भी निकल जायेंगे ;
आपके द्वारा कहा गया यह वाक्य
भले ही परेशानी न घटाये पर
हौसला जरूर बढ़ा देगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

दुर्भाग्य
जब भी आता है
तेज गति से आता है,
पर
जब भी जाता है
धीमी गति से जाता है,
अगर आप
उसके आने की गति धीमी
और
जाने की गति तेज़ करना चाहते हैं;
तो धर्म की गति
तेज़ कर दीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जीतनेवाले
रास्तों के टेड़ेपन को नहीं
अपनी चाल के
टेड़ेपन को सुधारते हैं,
अगर आप
रास्तों के टेड़ेपन को
सुधारने लग जाओगे
तो आप
जीत के लिये कब दौड़ोगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अगर
लम्बी उम्र होने के बाद भी
आपकी शादी नहीं हो रही
तो दुःखी मत होना
खुश होना,
क्योंकि
आपके जीवन में
दुःख की नहीं
सुख ही सुख की रेखा है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

सोना और रोना
हर पुरुष के जीवन में लिखा है,
फर्क सिर्फ इतना है
कुवांरा दिन में सोता है
और
रात में रोता है,
पर
शादी सुदा
न दिन में सोता है
न ही रात में
वो तो बस
दिन-रात रोता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

हर कामयाब सुबह के पीछे
हज़ारों अंधेरी रातें छुपी होती हैं,
इस बात में
कितनी सच्चाई है
यह आप तब समझ पायेंगे,
जब आप स्वयं कामयाब होंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

इच्छा करने से
कुछ नहीं मिलता
और
इच्छा किये बिना भी
कुछ नहीं मिलता,
लेकिन ध्यान रखो–
इच्छा तो करो
मगर पुरुषार्थ भी करो
पर संक्लेशता मत करो
क्योंकि
कार्य का फल
नियत समय पर ही मिलता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

जिनको धन से ज़्यादा
धर्मात्मा की कीमत है,
वही सच्चा धनी है
और
जिनको समय से ज़्यादा
भगवान की कीमत है,
वही सच्चा भक्त है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

बैल और पति में
बैल ज़्यादा सुखी है,
क्योंकि
काम तो दोनों ही करते हैं
पर
शांति से भोजन
बैल को ही नसीब होता है,
पति को नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

शादीशुदा जीवन
गले में फँसी
हड्डी की तरह होता है,
न तो आप
उसे निगल पाते हैं
न ही उगल पाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

नई सदी का अब तो यारों
बस यही है संदेश,
कैसे दु:खी रहे पड़ोसी
बस यही है उद्देश्य...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

इस भारत में
आप नहीं भी माँगेगे
तो लोग आपको
फोकट में राय देने
हमेशा खड़े मिलेंगे,
इसलिये
कहते हैं कि
'भारत में रायचन्द्र बहुत हैं'...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

कई बार
उच्च पद प्राप्त होने पर
मन की शांति भंग हो जाती
यहाँ तक कि
जीवन ही बर्बाद हो जाता है;
इसलिये
उच्च पद को प्राप्त तो करें
मगर
जिस पद से शांति भंग हो
उसे छोड़ दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
महत्त्व

अपनी कला को
अपनी विद्या को
प्रदर्शन करने का मौका
चाहे छोटा हो या फिर बड़ा
उसे कभी मत छोड़ना;
क्योंकि
छोटे-छोटे मौके ही
एक दिन आपको
बड़ा बना देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर